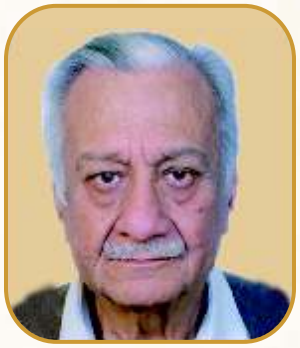


SHRI VIJAY KUMAR KICHLU

Shri Vijay Kumar Kichlu, a Master of Arts in History from the University of Allahabad is a unique combination of executive ability and artistry. As a senior mercantile executive for 22 years, Shri Kichlu had an impressive career in some of the best known British Commercial Houses of Calcutta like Turner Morrison Ltd. and Jardine Henderson Ltd. Following his transition from a glittering career, Shri Kichlu planned, set up and managed Sangeet Research Academy Kolkata as its Executive Director for 24 years. A creation of the well known Commercial House, I.T.C. Ltd, Sangeet Research Academy is a revolutionary institution in the field of Indian Classical Arts which was established in 1977; which to this day remains the one and the only residential institution in India that imparts intensive advanced training in "raga" music through the age old "Gurukul" system. He is now a permanent resident of West Bengal, having lived here since 1955.

2. Born on September 16, 1930, Shri Kichlu started initial training in music at the tender age of five from Pandit Nathuran Sharma. Later he had the good fortune of becoming a disciple of Ustad Moinuddin Dagar and Ustad Aminuddin Dagar, the famous senior "Dagar Brothers". He also took guidance from Ustad Latafat Hussain Khan of Agra Gharana. He follows the Agra Gharana gaikee and has been recognized as a leading vocalist of the same Gharana in the country. His forte lies in "alapchari" in the traditional Dhrupad style, compositions in the "Madhya laya" and "boltaans" true to the character of the Gharana Gaikee.

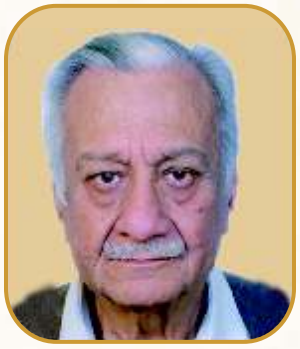
3. Shri Kichlu has been an "A" grade artist of All India Radio and Doordarshan (National Television). He has appeared several times in the National Programme of Music of All India Radio, Radio Sangeet Sammelan and the National Programme of Television. The genuine old world charm of Agra gaikee is his striking power. He has to his credit numerous successful concerts given all over the country. For more than four decades he has been invited every year by his admirers in U.S.A. and the Canada. He has also been to countries like Italy, Holland, Germany, U.K., U.A.E Pakistan & Thailand etc.

4. An erudite musician and a very fluent speaker, Shri Kichlu is a well known name in the musicological circles. His Lecture Demonstrations and concept Workshops are pleasantly enlightening for the listeners. He has made significant contribution in several important musical and musicological meets all over the world particularly in Italy, Philippines, the U.K., U.S.A., and Canada. He has delivered Lectures in several Universities of U.S.A. and has been granted Honorary Citizenship of the state of Maryland and the city of Baltimore respectively in appreciation of his services for the promotion of Indian Classical Music in the U.S.A.

5. Shri Kichlu has held several honorary positions like Member, Performing Arts Sub Committee, Festival Of India In USA—1985 under the chairmanship of Late Smt. Pupul Jayakar, was in-charge of organizing the entire classical music programmes in the USA during the Festival of India 1985. In 1987, he was Member, General Assembly Indian Council of Cultural Relations — 1987 (ICCR). In 1994, he was Member, High Powered Committee set up by the Ministry of Human Resources Development, Government of India for reviewing the working of the Zonal Cultural Centres which were set up all over the country by the initiative of the Prime Minister of India, Shri Rajiv Gandhi.

6. In 1995, Shri Kichlu was given the responsibility by the Dept. of Culture, Human Resources, Govt of India of conducting and organizing seminars on Classical Music and Dance (with emphasis on "Teaching Methods"). In 2009 he was nominated as a nominee of The Government of India on General Council of Sangeet Natak Akademi. He was also nominated on the Advisory Committee of Music on Sangeet Natak Akademi. In 2011, he was nominated by the Planning Commission (Tourism & Culture Division) as a Member of Working Group on Culture for the Twelfth Five Year Plan (2012-17).

7. Shri Kichlu has received the several awards like The most prestigious SANGEET NATAK AKADEMI RATNA AND FELLOWSHIP AWARD in 2014 given by Shri Pranab Mukkherjee, President of India. He has also been Awarded the Prestigious SANGEET NATAK AKADEMI AWARD in 2006 by the President of India, Dr. A.P.J. Abdul Kalam, "Kala Vipanchi" by Dr. M. Balamurali Krishna Trust, Chennai, and “All India Bhuwalka Award" 2008.



श्री विजय कुमार किचलू

श्री विजय कुमार किचलू इलाहाबाद विश्वविद्यालय से इतिहास में कला-परास्नातक तथा कार्यकारी क्षमता और कला कौशल के अप्रतिम संयोजन हैं। 22 वर्षों से एक वरिष्ठ वाणिज्यिक कार्यकारी के रूप में कलकत्ता के कुछ जाने-माने ब्रिटिश वाणिज्यिक घरानों जैसे-टर्नर मोरिसन लिमिटेड तथा जॉर्डिन हेंडरसन लिमिटेड में आपका एक प्रभावशाली करिअर रहा है। एक चमकदार करिअँर से पृथक अपने बदलाव के उपरांत आपने संगीत अनुसंधान अकादमी कोलकाता की योजना बनायी, इसकी स्थापना की तथा इसके कार्यकारी निदेशक के रूप में 24 वर्षों तक इसका प्रबंधन संभाला। संगीत अनुसंधान अकादमी सुविख्यात कामर्सियल हाउस, आई टी सी लिमिटेड का एक सृजन है तथा भारतीय शास्त्रीय कला के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी संस्थान है, जिसकी स्थापना वर्ष 1977 में की गई थी; जो आज तक भारत में एक मात्र रेजीडेंसियल संस्थान है जो प्राचीन ''गुरुकुल'' पद्धति के माध्यम से ''राग'' संगीत में गहन उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करता है। वर्ष 1955 से पश्चिम बंगाल में रहते हुए अब आप यहां के स्थायी निवासी बन गए हैं।

2. आपका जन्म 16 सितम्बर, 1930 को हुआ था। आपने पांच वर्ष की कम उम्र में ही पंडित नथूरन शर्मा से संगीत का प्रारंभिक प्रशिक्षण लेना आरंभ कर दिया था। बाद में, आपको प्रख्यात ज्येष्ठ ''डागर ब्रदर्स'' अर्थात् उस्ताद मोइनुद्दीन डागर तथा उस्ताद अमीनुद्दीन डागर का शिष्य बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आपने आगरा घराना के उस्ताद लताफत हुसैन खान से भी मार्गदर्शन हासिल किया। आप आगरा घराना की गायकी का अनुसरण करते हैं तथा देशभर में इसी घराने के एक अग्रणी गायक के रूप में आपको मान्यता प्राप्त हुई। आपको प्रारंपरिक ध्रुपद शैली में ''अलापचारी'', ''मध्यलय'' में संयोजन और ''बोलतान'' जो कि घराना गायकी का असली लक्षण है, में विशेषता प्राप्त है।

3. आप आकाशवाणी एवं दूरदर्शन (राष्ट्रीय टेलीविजन) के ''ए'' श्रेणी कलाकार रहे हैं। आपने आकाशवाणी, रेडियो संगीत सम्मेलन के संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम तथा टेलीविजन के राष्ट्रीय कार्यक्रम में कई बार अपनी प्रस्तुतियां दी हैं। आगरा गायकी का विशुद्ध ओल्ड वर्ल्ड चार्म आपकी प्रभावशाली शक्ति है। आपने देशभर में अनेक सफल संगीत समारोह आयोजित कराए। चार दशकों से भी अधिक समय से आपके प्रशंसकों द्वारा प्रत्येक वर्ष आपको यू एस ए तथा कनाडा में आमंत्रित किया जाता है। आपको इटली, हालैंड, जर्मनी, यू. के., यू ए ई, पाकिस्तान एवं थाइलैंड जैसे देशों में आमंत्रित किया गया है।

4. एक बहुश्रुत संगीतज्ञ और एक धाराप्रवाह वक्त के तौर पर संगीत शास्त्र के क्षेत्रों में आप एक नामचीन व्यक्तित्व हैं। आपके व्याख्यान, प्रदर्शन तथा अवधारणा कार्यशालाएं श्रोताओं के लिए आनंदमयी शिक्षा हैं। आपने विश्वभर में, विशेष रूप से इटली, फिलीपींस, यू. के., यू एस. ए तथा कनाडा में आयोजित कई महत्वपूर्ण संगीत संबंधी और संगीत शास्त्र संबंधी बैठकों में उल्लेखनीय योगदान किया है। आपने यू एस ए के कई विश्वविद्यालयों में व्याख्यान दिए हैं तथा यू एस ए में भारतीय शास्त्रीय संगीत के विकास के लिए की गई सेवाओं के सम्मान स्वरूप आपको क्रमश: स्टेट ऑव मेरीलैण्ड तथा सिटी ऑव बाल्टीमोर की मानद नागरिकता प्रदान की गई है।

5. आपने कई मानद पदों जैसे-सदस्य, परफॉर्मिंग आर्ट्स सब-कॉमिटि, स्व श्रीमती पुपुल जयकर की अध्यक्षता में फेस्टिवल ऑफ इंडिया इन यू एस ए-1985 के कार्य भार संबंधी दायित्वों को संभाला। आप फेस्टिवल ऑव इंडिया, 1985 के दौरान यू एस ए में संपूर्ण शास्त्रीय संगीत कार्यक्रमों के आयोजन के प्रभारी रहे। वर्ष 1987 में, आप जनरल असेंबली इंडिया काउंसिल ऑन कल्चरल रिलेशंस-1987 (आई सी सी आर) के सदस्य रहे। वर्ष 1994 में, आप क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों, जिन्हें प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी की पहल द्वारा देशभर में स्थापित किया गया था, की कार्य शैली की समीक्षा करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित उच्चाधिकार समिति के सदस्य रहे।

6. वर्ष 1995 में आपको, संस्कृति विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य (''शिक्षण विधियों'' पर जोर देते हुए) पर संगोष्ठियों के संचालन और आयोजन का दायित्व सौंपा गया। वर्ष 2009 में, आपको जनरल काउंसिल ऑव संगीत नाटक अकादमी में भारत सरकार के मनोनीत सदस्य के रूप में नामित किया गया। आपको संगीत नाटक अकादमी में संगीत की सलाहकार समिति में भी नामित किया गया था। वर्ष 2011 में, योजना आयोग (पर्यटन एवं संस्कृति प्रभाग) द्वारा आपको 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) के लिए संस्कृति संबंधी कार्यकारी समूह के एक सदस्य के रूप में नामित किया गया।

7. आपको कई पुरस्कार प्राप्त हुए जैसे कि भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा वर्ष 2014 में आपको सर्वाधिक प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी रत्न एवं फेलोशिप पुरस्कार प्रदान किया गया। आपको वर्ष 2006 में भारत के राष्ट्रपति, डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, डॉ. एम बालमुरली कृष्ण ट्रस्ट, चेन्नै द्वारा ''कला विपाची'' तथा आल इंडिया भुवाल्का पुरस्कार, 2008 से भी विभूषित किया गया।